डूंगरपुर में चांदीपुरा वायरस से छह वर्षीय बच्ची की मौत, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

बच्ची का इलाज गुजरात के हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में चल रहा था

- गुजरात सरकार की सूचना पर राजस्थान स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, टीम ने घर-घर जाकर 353 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर जिले में चांदीपुरा वायरस के संदिग्ध संक्रमण से छह वर्षीय बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। बच्ची का इलाज गुजरात के हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में चल रहा था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गुजरात सरकार से सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने इसे चांदीपुरा वायरस संक्रमण मानते हुए धंबोला थाना क्षेत्र के रतनपुरा गांव में व्यापक एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बच्ची की 15 जुलाई को मौत से पहले सैंपल लिए गए थे, जिसकी रिपोर्ट अस्पताल ने गुजरात सरकार को दी। गुजरात से सूचना मिलते ही चिकित्सा विभाग की टीमों ने शनिवार को रतनपुरा गांव में विशेष निगरानी, स्वास्थ्य सर्वेक्षण और संक्रमण रोकथाम अभियान शुरू किया। टीमों ने घर-घर जाकर कुल 353 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की। राहत की बात यह रही कि जांच के दौरान किसी भी व्यक्ति में चांदीपुरा वायरस से संबंधित लक्षण नहीं पाए गए। इसके बावजूद विभाग ने किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है। संक्रमण की रोकथाम के लिए गांव में पायरेथ्रम स्प्रे, फॉगिंग और एंटी-लार्वल गतिविधियां संचालित की गई हैं। इन उपायों का उद्देश्य वायरस फैलाने वाले वाहकों पर नियंत्रण करना है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से ग्रामीणों को घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, पानी जमा नहीं होने देने और मच्छरों और सैंडफ्लाइज रेतीली मक्खी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि किसी बच्चे या अन्य व्यक्ति में तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी, दौरे या अन्य संदिग्ध लक्षण दिखाई दें तो बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करेंए ताकि समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ डॉ. अलंकार गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार गांव में सर्वेक्षण और स्वास्थ्य जांच कर रही हैं। फॉगिंग और कीटनाशक छिड़काव भी नियमित रूप से कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चांदीपुरा वायरस मुख्य रूप से सैंडफ्लाइज रेतीली मक्खी व कुछ मामलों में मच्छरों के माध्यम से फैलता है। यह संक्रमण विशेष रूप से बच्चों के लिए गंभीर साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी संदिग्ध मरीज की जानकारी तत्काल चिकित्सा टीम को देने की अपील की है। फिलहाल गांव की स्थिति सामान्य बनी हुई है और विभाग लगातार हालात पर नजर रखे हुए है। एहतियात के तौर पर सभी आवश्यक स्वास्थ्य एवं संक्रमण नियंत्रण उपाय जारी हैं।

जानकारी के अनुसार बच्ची में चांदीपुरा वायरस के लक्षण पाए जाने पर गुजरात के हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में 15 जुलाई को सैंपल लिए गए। इसके बाद उसी दिन बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव लेकर गांव आ गए, लेकिन स्वास्थ्य विभाग को भनक तक नहीं लगी। हिम्मतनगर अस्पताल ने सैंपल लेने की सूचना गुजरात सरकार को दी, जिस पर गुजरात स्वास्थ्य विभाग ने मरीज डूंगरपुर का होने से राजस्थान स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। स्वास्थ्य विभाग जयपुर से 18 जुलाई को डूंगरपुर सीएमएचओ ऑफिस को सूचना मिलने पर टीम अलर्ट हुई।

स्मैक तस्करों को दो साल की सजा

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय संख्या दो, जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मुजफ्फर चौधरी ने 13 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 2 वर्षों का कठोर कारावास और दस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

मनोहर लाल पालीवाल, विशिष्ट लोक अभियोजक, न्यायालय एनडीपीएस संख्या दो, जोधपुर ने बताया कि 3 नवम्बर, 2013 को पुलिस थाना करवड के तत्कालीन थाना अधिकारी प्रदीप सिंह ने आयुर्वेदिक कॉलेज करवड के पास एन एच 65 पर भवाद, जोधपुर निवासी श्यामलाल से थैली में छुपाकर रखी 10 ग्राम अवैध स्मैक बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया था। बाद में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में एनडीपीएस एक्ट के तहत चार्जशीट प्रस्तुत की। मनोहर लाल पालीवाल विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस संख्या दो जोधपुर ने न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उत्तरोत्तर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों के अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने को दृष्टीगत रखते हुए आरोपियों को कठोरतम सजा देने की मांग की तो वहीं आरोपियों द्वारा नरमी बरतने का आग्रह किया।

विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस संख्या 2 जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मुजफ्फर चौधरी ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत 9 गवाह, 28 दस्तावेजी साक्ष्य, 4 आर्टिकल के आधार पर आरोपी श्यामलाल को दोषी ठहराते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक रखने और उसकी खरीद-फरोख्त करने के आरोप में 2 वर्ष की कठोर सजा व दस हजार रुपए के जुर्माने की कठोर सजा सुनाई।

हमला करने के चार आरोपी गिरफ्त में

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस टीम ने विवाद को लेकर जानलेवा हमले के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए चार हमलावरों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 12 जुलाई को फरियादी ने थाना सांगोद में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि माल ग्राम कांगनिया में हमारे कब्जे काश्त की भूमि है। जिस पर हम काश्त करते आ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा कि मेरे मकान के बाहर खड़ा था, तभी कोई हमारे खेत में ट्रैक्टर चलाता हुआ नजर आया तो मैं व मेरे परिवार के कुछ जने खेत पर गये तो हमारे गांव का दिलखुश ट्रैक्टर से खेत में फसल की उराई कर रहा था। हमने उसको फसल बोने से मना किया तो उसने व वहां पर मौजूद मोनू दुर्गाशंकर माली, प्रेमशंकर माली, बंटी गुर्जर, महावीर वैष्णव, गौरव सैन, सुनील मेहरा, सुनील रेगर, कुन्दनपुर, हरिओम सुमन, अंशुल व अन्य व्यक्तियों ने रोककर लकड़ी व धारदार कुटिया से मारपीट कर चोटें पहुंचाई, जिससे मेरे व आदित्य, द्वारकीलाल, हरिनारायण, रामकिशन, हरिशंकर व मेरे पापा रामलाल के चोटें आई है। ग्रामीण एसपी ने कहा कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। इस पर गठित टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए कांगनिया थाना सांगोद निवासी दिलखुश (26) कांगनिया थाना सांगोद निवासी प्रेमप्रकाश (40) थूणपुर थाना सांगोद निवासी महावीर (25) एवं कुन्दनपुर थाना सांगोद निवासी सुनील (30) साल को गिरफ्तार किया।

अलवर में शराब ठेकेदारों ने फर्जीवाड़ा कर गरीबों के नाम से 216 ठेके खोले

- करोड़ों का नोटिस पहुंचा गरीबों के घर तो खुला मामला, अब विभाग डिजीटल जांच कर ठेकदारों से वसूली करने की तैयारी कर रहा है
- इस बीच इस प्रकरण में करोड़ों रुपये डकार चुके अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है

अलवर, (निसं)। अलवर में एक ही आबकारी अधिकारी पर पिछले तीन सालों से विश्वास करके बैठे राजनेताओं की अब आंख खुली, जब एक चौकाने वाला सामने आ गया। शराब ठेकेदारों ने फर्जीवाड़ा कर गरीबों के कागज लगाकर शराब के ठेके लिए गए और करोड़ों रूपये की बंदरबांट कर ठेकेदार और अधिकारी खा गए। गरीबों को मिला करोड़ों का नोटिस जिसे देख लोगों की नींद हराम हो गई, अब मामला उजागर होने के बाद अधिकारियों ने पहले तो रिकवरी गरीबों से वसूलने की बात की लेकिन मीडिया में आते ही उनके सुर बदल गए और अब जांच कर यह रकम दोषी ठेकेदारों से वसूले जाने की तैयारी है, लेकिन इस बीच इस प्रकरण में करोड़ों रुपये डकार चुके अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार शराब ठेकेदार गरीब लोगों के नाम पर ली दुकान पर अपना माल बेचकर कम समय में मोटा मुनाफा कमाते हैं। उनके इस काले कारनामे में आबकारी विभाग के कई अफसरों की मिलीभगत होना भी सामने आया है। सरकार के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए आबकारी अधिकारी ने सालभर (2024-2025) मिलीभगत का खेल खेला और डिफॉल्टर शराब दुकानों को समय पर निरस्त करने के बजाय वित्तीय वर्ष के आखिरी दिन का इंतजार किया। इस पूरे खेल में न केवल राजस्व को भारी नुकसान हुआ है, बल्कि उन्हीं डिफॉल्टर ठेकेदारों को नए नामों से दोबारा दुकानें भी आवंटित कर दी गई हैं। इसका नतीजा रहा कि अलवर जिला शराब के ठेकों से प्राप्त रेवेन्यू में सबसे पीछे चला गया। 2024-2025 में करीब 50 से 60 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। ये वो दुकानें हैं जिनको गरीबों के नाम आवंटित कराया गया। अलवर में गरीबों के नाम पर शराब ठेके लिए जा रहे हैं। उनके नाम पर करोंड़ों रुपए का जुर्माने का नोटिस आ रहा है। ये पूरा खेल शराब ठेकों के मालिकों और आबकारी के अधिकारियों की मिलिभगत से चल रहा है।

नियमों के मुताबिक, जो शराब की दुकान आबकारी विभाग से तय माल (कोटा) नहीं उठाती, उसे 7 दिन के भीतर बंद करना होता है, लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत से इन दुकानों को पूरे साल चलने दिया गया। नियम के अनुसार गरीबों की दुकान से तय समय में शराब नहीं बिकने पर 7 दिन में इनका लाइसेंस निरस्त कर दिया जाना चाहिए था। इसके बावजूद अलवर के इन पीड़ितों का लाइसेंस सालभर 2024-25 में चालू रखा। मार्च 2025 में इनका लाइसेंस निरस्त किया गया। ऐसे में सीधे तौर पर इन्हें फंसाने वाले शराब ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया गया।

अब आबकारी विभाग ने तय किया है कि दुकानों के लाइसेंस और बैंक खातों में जिनके मोबाइल नंबर हैं, उनसे रिकवरी होगी। अधिकतर केस में मोबाइल नंबर शराब के ठेके चलाने वालों के हैं। अब इनसे रिकवरी हो सकती है। अकेले अलवर में 216 केस में करीब 160 करोड़ रुपए बाकी हैं।

765 केवी पावरग्रिड परियोजना के खिलाफ किसानों का संघर्ष तेज

- धरना चौथे दिन भी जारी, सीकर के किसानों ने आंदोलन को समर्थन दिया
- धरने में मौजूद किसानों ने कहा कि ''पहले मुआवजा, फिर निर्माण कार्य'' की मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा

झुंझुनूं में पावरग्रिड परियोजना से प्रभावित किसानों का आंदोलन जारी रहा।

झुंझुनूं, (निसं)। 765 केवी पावरग्रिड परियोजना से प्रभावित किसानों का अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन शनिवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता किसान नेता रोहिताश महला ने की। किसानों ने एकजुट होकर दोहराया कि जब तक प्रभावित किसानों को नियमानुसार अग्रिम मुआवजा नहीं दिया जाएगा, तब तक परियोजना का कार्य किसी भी स्थिति में शुरू नहीं होने दिया जाएगा।

धरना स्थल पर सीकर जिले के फ़कीरपुरा गांव से पहुंचे प्रभावित किसान मंजीत बाजिया, बनवारी बाजिया और विनोद कालेर ने आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए कहा कि पावरग्रिड कंपनी के अधिकारियों के लिखित आश्वासनों पर अब किसानों का भरोसा नहीं रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीकर में कंपनी ने किसानों से लिखित समझौता करने के बावजूद अपनी प्रतिबद्धता नहीं निभाई। ऐसे में केवल आश्वासन नहीं, बल्कि पहले नियमानुसार मुआवजे का अग्रिम भुगतान किया जाए और उसके बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया जाए।

किसान नेता मंजीत बाजिया ने कहा कि सीकर के किसान इस संघर्ष में सोनासर के किसानों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। धरना स्थल पर आयोजित बैठक में किसानों ने आंदोलन को आगामी दिनों में और तेज करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। वक्ताओं ने कहा कि किसानों के अधिकारों और सम्मान से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा न्याय मिलने तक संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।

इस अवसर पर कॉमरेड महिपाल पूनिया, नवीन चौधरी, सहकारी समिति अध्यक्ष जयपाल महला, पूर्व सरपंच सुरेंद्र सिंह सिलाइच, सुनील महला, अमित, नरेंद्र महला, लीलाधर महला, हरफूल यादव, छाजूराम यादव, रतन यादव, सहीराम महला, राजेंद्र, बलदेव, सुरेंद्र महला, विकास योगी, धर्मेंद्र नायक, सुरजीत महला, नवीन महला, जितेंद्र सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। धरने में मौजूद किसानों ने एक स्वर में कहा कि ''पहले मुआवजा, फिर निर्माण कार्य'' की मांग पूरी होने तक आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर इसे और व्यापक रूप दिया जाएगा। किसानों ने प्रशासन और कंपनी प्रबंधन से शीघ्र सकारात्मक पहल कर विवाद का समाधान करने की भी मांग की।

खेतड़ी के माधोगढ़ गांव में युवक ने सुसाइड किया

खेतड़ी, (निसं)। बबाई थाना क्षेत्र के माधोगढ़ गांव में एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद सूचना मिलने पर बबाई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विकास कुमार (21) पुत्र जगदीश बावरिया निवासी माधोगढ़ के रूप में हुई है। मृतक के छोटे भाई सुनील कुमार ने बबाई थाने में दी गई लिखित रिपोर्ट में बताया कि अलसुबह करीब तीन बजे उसने अपने भाई विकास कुमार को कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश करते हुए श्मशान घाट की ओर पहुंचे तो विकास कुमार एक पेड़ से लटका हुआ मिला। नीचे उतारकर देखा गया तो उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में आवश्यक कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाने की प्रक्रिया शुरू की। मृतक के भाई ने पुलिस को रिपोर्ट देकर मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

पीएम श्री विद्यालय का एसडीएम ने निरीक्षण किया

- जालोर एसडीएम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित विविध गतिविधियों, नवाचारों का मूल्यांकन किया

जालोर, (निसं)। प्रदेश की समस्त पीएम श्री स्कूलों के 15 जलाई से 25 जुलाई के दौरान होने वाले निरीक्षण एवं मूल्यांकन कार्य को संपादित करने को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार स्टेट रिव्यूअर के रूप मे नामित किए गए जालोर के उपखंड अधिकारी मनोज कुमार ने शनिवार को पीएम श्री राजेंद्र सूरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरा का सघन निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया।

पीएम श्री विद्यालय बागरा के प्रधानाचार्य खीम सिंह राठौड़ ने बताया कि जालोर उपखंड अधिकारी ने स्थानीय पीएम श्री विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित विविध गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों, नवाचारों एवं अन्य निर्धारित बिंदुओं का गुणात्मक एवं मात्रात्मक मूल्यांकन कर पीएम श्री पोर्टल पर सबमिट किया। उन्होंने विद्यालय में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों, गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं, विज्ञान प्रयोगशाला , भूगोल की लैब, पुस्तकालय , स्मार्ट क्लासेज, संविधान क्लब, खेल मैदान, सहशैक्षिक गतिविधियों, स्किल डेवलेपमेंट, पाठयपुस्तक वितरण, बाल वाटिका, नि:शुल्क यूनिफॉर्म, फर्नीचर, शुद्ध पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की स्थिति, करियर गाइडेंस, शैक्षिक भ्रमण, स्टॉफ की स्थिति, प्रशिक्षण, उपस्थिति सहित विभिन्न गतिविधियों एवं बिंदुओं का एक एक कर गहनता से मूल्यांकन किया एवं वांछित सुधार हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने आज नो बैग डे के अवसर पर आयोजित की गई गतिविधियों को भी विस्तार से देखा। निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग से समन्वयन एवं प्रोटोकॉल व्यवस्थार्थ जालौर ब्लॉक के अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जबरसिंह देवडा साथ रहे। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी के निजी सहायक सुरेश कुमार, पीएम विद्यालय के प्रभारी डूंगर राम, व्याख्याता प्रेमपाल डाबी, कार्यालयकर्मी एवं पीएम श्री विद्यालय बागरा का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।

मंदबुद्धि युवक को परिजनों से मिलवाया

मुकुंदगढ़, (निसं)। मुकुंदगढ़ पुलिस ने मानवता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए 10-12 दिनों से अपने परिवार से बिछड़े एक मंदबुद्धि युवक को उसके परिजनों से मिलवाकर सराहनीय कार्य किया है। बेटे के सकुशल मिलने पर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने पुलिस टीम का आभार जताते हुए उसकी कार्यशैली की प्रशंसा की।

पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर के निर्देशन में थाना अधिकारी गोपाल सिंह थालोर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम बाहरी व्यक्तियों की नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान मुकुंदगढ़ रेलवे स्टेशन पर एक मंदबुद्धि युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ मिला, जो अपना नाम-पता बताने में असमर्थ था। पुलिस ने सूझबूझ का परिचय देते हुए युवक की तलाशी ली, जिसमें मिले मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया गया। जानकारी मिलने पर पता चला कि युवक अमित पुत्र रणजीत निवासी मलिकपुर, नई दिल्ली है, जो मानसिक रूप से कमजोर होने के कारण करीब 10 से 12 दिन पहले घर से निकल गया था। परिजन उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। पुलिस युवक को सुरक्षित थाना मुकुंदगढ़ लेकर आई।

करोटी में खनन, पुलिस बुलाई

रेवदर, (निसं)। करोटी नदी में खनन से तंग आकर रात्रि में दर्जनों ग्रामीणों ने खुद मोर्चा संभाला और मौके पर पहुंचकर पुलिस बुलाकर कार्यवाही को अंजाम दिलाया।

ग्रामीणों का आरोप है कि हाईकोर्ट ने नदी क्षेत्र में जुलाई अगस्त में खनन पर पाबंदी लगाई है। इसके बावजूद रॉयल्टी ठेकेदारों की हनक के आगे अदालत के आदेश भी बौने साबित हो रहे हैं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों के अनुसार, नदी क्षेत्र में कई दिनों से रोक के बावजूद खनन जारी था जिस पर ग्रामीणों ने रात को मौके पर जाकर अवैध रूप से बजरी भर रहे ट्रैक्टर और डंपरों को रुकवाया एवं पुलिस को सूचना दी गयी जिस पर कार्यवाही करते हुए सीआई सीताराम पंवार ने मौके से डंपर और पॉकलैंड को जब्त कर थाना लाया गया।

बेकाबू डंपर मकान में घुसा, चालक केबिन में फंसा

खेतड़ी, (निसं)। कस्बे में अलसुबह स्टेट हाईवे-13 पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। खनन क्षेत्र से डस्ट भरकर चूरू की ओर जा रहा एक डंपर अचानक अनियंत्रित होकर राजकीय जयसिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुल के पास स्थित एक मकान की चारदीवारी को तोड़ते हुए मकान में जा घुसा। हादसा इतना भीषण था कि चारदीवारी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, पास में खड़ा नीम का विशाल पेड़ धराशायी हो गया तथा पानी की टंकी भी टूट गई।

गनीमत रही कि घटना के समय सड़क पर कोई राहगीर या अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। टक्कर के बाद डंपर का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक स्टेयरिंग में फंस गया। सूचना मिलते ही खेतड़ी थाना पुलिस, एंबुलेंस कर्मी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। चालक को बाहर निकालने के लिए सिंघाना से दो क्रेन मंगवाई गईं। करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में केबिन को काटकर चालक अनिल पुत्र जयभगवान जाट, निवासी हरपालू कुबड़ा, थाना हमीरवास, को सुरक्षित बाहर निकाला गया। गंभीर रूप से घायल चालक को तत्काल राजकीय अजीत उप जिला अस्पताल, खेतड़ी पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत चिंताजनक होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए झुंझुनूं रेफर कर दिया। हादसे के चलते कुछ समय के लिए स्टेट हाईवे-13 पर यातायात बाधित रहा।

युवती ने खुदकुशी की

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान क्षेत्र में रावत नगर में एक युवती ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया। दूसरी तरफ काम करते एक श्रमिक ऊपर से नीचे गिर गया। अस्पताल में उपचार के बीच उसकी मौत हो गई। माता का थान पुलिस ने बताया कि जयगुरू रावत नगर बोरीवला निवासी मधुलिका ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। उसके पिता राजकुमार ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। दूसरी तरफ मध्यप्रदेश के विदिशा स्थित साडेर हाल माणकलाव क्षेत्र में काम करने वाला गोविंद पुत्र करण सिंह बंजारा एक फार्म हाउस पर काम करता था। वह काम करते हुए ऊपर से नीचे गिर गया। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, मगर वहां उपचार के बीच उसकी मौत हो गई।

पावटा में बंद मकान से सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी

- पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर चोरों की तलाश में जुटी

चोरी की वारदात के बाद मकान में सामान बिखरा पड़ा है।

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के पावटा कस्बे में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पटवार घर के पास निवासी दीपक सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका पुश्तैनी मकान बंद रहता है, जबकि मकान के निचले हिस्से में उनका चाचा परिवार सहित निवास करता है। वे स्वयं अपने परिवार के साथ पावटा में दूसरे मकान में रहते हैं। 17-18 जुलाई की रात अज्ञात चोर मकान की दूसरी मंजिल में बने कमरे में घुस गए और वहां रखे सामान को बिखेरते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने बताया कि चोर दो सोने की अंगूठियां, दो चांदी के पायजेब, पांच चांदी की अंगूठियां, चांदी के सिक्के तथा करीब 15 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। घटना की सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और चोरों की तलाश में जुटी हुई है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से कस्बेवासियों में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पावटा क्षेत्र में पहले भी कई चोरी की वारदातें हो चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी भी मामले का खुलासा नहीं हो सका है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने, चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी करने तथा लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का खुलासा करने की मांग की है। इससे क्षेत्रवासियों में सुरक्षा की भावना मजबूत हो सकेगी।

पुष्कर के मंदिर में चोरी

पुष्कर, (निसं)। तीर्थराज पुष्कर में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि अब उन्होंने भगवान के घर को भी नहीं बख्शा। पुष्कर सरोवर के कृष्ण घाट स्थित प्रसिद्ध नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में देर रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए मंदिर में स्थापित चांदी का छत्र चोरी कर लिया। घटना से श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश है और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। मंदिर के पुजारी गिरिराज मुखिया ने बताया कि प्रतिदिन की तरह सुबह जब वे भगवान की पूजा-अर्चना करने पहुंचे तो मंदिर में लगा चांदी का छत्र अपनी जगह से गायब मिला। छत्र गायब देखकर उनके होश उड़ गए। इसके बाद मंदिर परिसर की जांच की गई, लेकिन छत्र का कोई पता नहीं चला। घटना की जानकारी तुरंत पुष्कर थाना पुलिस को दी गई। पुजारी गिरिराज मुखिया के अनुसार चोरी हुए चांदी के छत्र की कीमत करीब 15 से 20 हजार रुपये आंकी जा रही है। उन्होंने बताया कि यह छत्र श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक था।

'जोधपुर में गंभीर प्रसूताओं का विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार जारी'

उम्मेद व महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती पांचों प्रसूताओं की स्थिति स्थिर, स्वास्थ्य अपडेट जारी

- चिकित्सा दल प्रत्येक मरीज की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है : डॉ. जोधा

जोधपुर, (कासं)। उम्मेद व महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती पांचों प्रसूताओं की स्थिति स्थिर है। इन गंभीर प्रसूताओं का विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार जारी है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने उनका स्वास्थ्य अपडेट जारी किया है।

डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. बीएस जोधा ने गंभीर प्रसूताओं के उपचार को लेकर बताया कि मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जनाना अस्पतालों एवं सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा संस्थानों में भर्ती सभी गंभीर मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार किया जा रहा है तथा सभी मरीजों की स्थिति वर्तमान में स्थिर है। डॉ. जोधा ने बताया कि डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज से संबद्ध मथुरादास माथुर अस्पताल एवं उम्मेद अस्पताल क्षेत्र के प्रमुख रेफरल चिकित्सा संस्थान हैं। पाली, जालोर, सिरोही बाड़मेर सहित आसपास के जिलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से गंभीर स्थिति वाले मरीजों को बेहतर एवं विशेषज्ञ उपचार के लिए यहां रेफर किया जाता है। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार तत्काल उपचार एवं आवश्यक होने पर शल्य चिकित्सा की जाती है। डॉ. बी. एस. जोधा के अनुसार वर्तमान में उपचाराधीन पांच गंभीर प्रसूताओं में कुछ मरीज अत्यधिक रक्तस्राव तथा कुछ उच्च रक्तचाप से उत्पन्न चिकित्सकीय जटिलताओं से प्रभावित हैं। सभी मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सतत उपचार किया जा रहा है तथा उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

डॉ. बीएस जोधा ने बताया कि वर्तमान में दो मरीज उम्मेद अस्पताल तथा तीन मरीज महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती हैं। सभी मरीजों का आवश्यक उपचार जारी है और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। चिकित्सा दल प्रत्येक मरीज की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है तथा आवश्यकतानुसार समुचित चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।